

अध्याय - 5 | कबीर के दोहे (कबीर)

QUIZ PART-15

1. गलत संगति के कारण अंक कम आने की घटना किस दोहे से संबंधित है?
- A. ऐसी बानी बोलिए...
B. साधु ऐसा चाहिए...
C. कबिरा मन पंछी भया... जो जैसी संगति करै...
D. अति का भला न बोलना... (C)

व्याख्या: घटना में संगति के प्रभाव की बात है, जो "जो जैसी संगति करै, सो तैसा फल पाय" से संबंधित है।

2. सही जानकारी चुनने और बेकार छोड़ने की सलाह किस दोहे से मेल खाती है?
- A. गुरु गोविंद दोऊ खड़े...
B. साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय...
C. निंदक नियरे राखिए...
D. अति का भला न चूप... (B)

व्याख्या: सूप सार को रखकर थोथा उड़ा देता है, उसी प्रकार सही जानकारी चुननी चाहिए।

3. आलोचना को सकारात्मक रूप से लेने की शिक्षा किस दोहे में मिलती है?
- A. ऐसी बानी बोलिए...
B. कबिरा मन पंछी भया...
C. निंदक नियरे राखिए...
D. अति का भला न बरसना... (C)

व्याख्या: "निंदक नियरे राखिए..." दोहे में आलोचना को सुधार का अवसर बताया गया है।

4. गुस्से में बुरा-भला कहने के बाद शांत वाणी का महत्व किस दोहे से स्पष्ट होता है?
- A. गुरु गोविंद दोऊ खड़े...
B. ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय...
C. साधु ऐसा चाहिए...
D. कबिरा मन पंछी भया... (B)

व्याख्या: इस दोहे में मधुर और शांत वाणी का महत्व बताया गया है।

5. अधिक बोलने और अधिक चुप रहने से संबंधित शिक्षा किस दोहे में है?
- A. अति का भला न बोलना...
B. निंदक नियरे राखिए...
C. साधु ऐसा चाहिए...
D. गुरु गोविंद दोऊ खड़े... (A)

व्याख्या: इस दोहे में जीवन में संतुलन रखने की बात कही गई है।

6. 'प्रतिभा सम्मान' मिलने पर गुरुजनों के मार्गदर्शन को स्वीकार करना किस दोहे से जुड़ा है?
- A. कबिरा मन पंछी भया...
B. ऐसी बानी बोलिए...
C. गुरु गोविंद दोऊ खड़े...
D. अति का भला न चूप... (C)

व्याख्या: इस दोहे में गुरु को सर्वोच्च स्थान दिया गया है क्योंकि वही सही मार्ग दिखाते हैं।

7. "सार-सार को गहि रहै, थोथा देड़ उड़ाय" का क्या अर्थ है?
- A. सब कुछ स्वीकार करना
B. बेकार बातें फैलाना
C. उपयोगी बातों को अपनाना और व्यर्थ छोड़ना
D. केवल आलोचना करना (C)

व्याख्या: सूप की तरह सार ग्रहण कर व्यर्थ त्यागने की शिक्षा दी गई है।

8. "जो जैसी संगति करै, सो तैसा फल पाय" का मुख्य संदेश क्या है?
- A. भाग्य ही सब कुछ है
B. संगति का जीवन पर प्रभाव पड़ता है
C. मेहनत का महत्व नहीं
D. केवल पढ़ाई आवश्यक है (B)

व्याख्या: दोहे में स्पष्ट है कि जैसी संगति होगी, वैसा ही परिणाम मिलेगा।

9. "ऐसी बानी बोलिए..." दोहे का उद्देश्य क्या है?
- A. कठोर वाणी बोलना
B. मधुर वाणी से सबको शीतल करना
C. चुप रहना
D. अधिक बोलना (B)

व्याख्या: दोहे में कहा गया है कि ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जो दूसरों को शीतल करे और स्वयं को भी शांति दे।

10. "अति का भला न बरसना, अति की भली न धूप" से क्या शिक्षा मिलती है?
- A. वर्षा अच्छी नहीं होती
B. धूप आवश्यक नहीं
C. किसी भी चीज़ की अति हानिकारक है
D. केवल मौन अच्छा है (C)

व्याख्या: इस दोहे में हर कार्य में संतुलन और मर्यादा रखने की शिक्षा दी गई है।